भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1692

उत्तर देने की तारीख 10 मार्च, 2025

19 फाल्गुन, 1946 (शक)

बिम्सटेक राष्ट्र

†1692. श्री मनोज तिवारी:

डॉ. निशिकान्त दुबे:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनोमिक कोऑपरेशन (बिम्सटेक) राष्ट्रों में 'यूथ ब्रिज' पहल के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए जा रहे हैं;

(ख) क्या सरकार की एआई और रोबोटिक्स जैसे उभरते क्षेत्रों में कौशल विकास को बढ़ाने के लिए अन्य सदस्य देशों के साथ सहयोग करने की योजना है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है कि बिम्सटेक देशों की विविधता और साझी विरासत को प्रभावी ढंग से प्रसारित किया जाए और युवा विकास कार्यक्रमों में उसका समन्वय किया जाए?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) युवा कार्यक्रम विभाग ने 7 से 11 फरवरी तक गुजरात के गांधीनगर में बिम्सटेक युवा शिखर सम्मेलन 2025 का आयोजन किया। शिखर सम्मेलन के लिए सात सदस्य देशों के प्रतिनिधि एकत्रित हुए, जो बिम्सटेक के इतिहास में पहला युवा शिखर सम्मेलन था। बिम्सटेक युवा शिखर सम्मेलन का प्राथमिक उद्देश्य सदस्य देशों के बीच अनुभवों और युवा-नेतृत्व वाली पहलों के आदान-प्रदान को सुगम बनाना था। "यूथ एस ए ब्रिज फॉर इंट्रा- बिम्सटेक एक्सचेंज " थीम पर केंद्रित इस शिखर सम्मेलन ने क्षेत्र के साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए युवा नेताओं की सामूहिक ऊर्जा का उपयोग किया। शिखर सम्मेलन के दौरान यह भी प्रस्ताव रखा गया कि बिम्सटेक ज्ञान-साझाकरण, नेतृत्व कार्यक्रमों और क्षेत्रीय नेटवर्किंग अवसरों के माध्यम से युवा नेताओं को सशक्त बनाने के लिए एक बहु-क्षेत्रीय पहल "यूथ ब्रिज" के रूप में कार्य कर सकता है।

(ख) और (ग) : जी हाँ। बिम्सटेक युवा शिखर सम्मेलन के माध्यम से सरकार का लक्ष्य उद्यमिता, खेल, शिक्षा और प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने वाला एक परिवर्तनकारी मंच बनाना है। हाल ही में संपन्न युवा शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रतिनिधियों ने एआई और मशीन लर्निंग के युग में डिजिटल साक्षरता की भूमिका पर चर्चा की। प्रतिनिधियों ने प्रौद्योगिकी-संचालित दुनिया में नेविगेट करने और सफल होने के लिए व्यक्तियों को आवश्यक कौशल से लैस करने के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कैसे डिजिटल समावेशिता को बढ़ावा देने से अवसर पैदा हो सकते हैं, समुदायों को सशक्त बनाया जा सकता है और उभरती प्रौद्योगिकियों के लाभों तक समान पहुँच सुनिश्चित की जा सकती है।

(घ) बिम्सटेक क्षेत्रीय जुड़ाव के लिए एक माध्यम के रूप में कार्य करता है। इस संबंध में बिम्सटेक युवा शिखर सम्मेलन जैसे प्रयासों ने सदस्य देशों के बीच विविधता को मजबूत किया है। प्रतिनिधियों ने “बिम्सटेक देशों में विविधता का महोत्सव मनाने” पर भी विचार-विमर्श किया, जिसमें लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान के साथ-साथ संस्था निर्माण और क्षमता निर्माण के माध्यम से क्षेत्रीय संबंधों को मजबूत करने में सांस्कृतिक समावेशिता, आपसी सहयोग और साझा विरासत के महत्व पर चर्चा की गई।

****